हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 11 मई 2026

9 सेक्टरवासियों को 40 लाख के विकास कार्यों की सौगात ...

10 बार-बार सिर का चक्कर आने पर नीम हकीमों ...

बिचला बाजार नाइक्लालो की गली के वासी दो सप्ताह से पेयजल का कर रहे थे इंतजार

15 दिन बाद सिर्फ 15 मिनट आया पानी वह भी सीवरयुक्त गंदा झागदार व काला

- रविवार अलसुबह 4 बजे से 4:15 बजे तक करीब 15 मिनट तक आई सप्लाई
- सीवरयुक्त ,गंदे झागदार और काले पानी से घर में फैली दुर्गंध
- घरों की टंकियों में पहले से टैंकरों से खरीदकर भरा गया पानी भी हो गया खराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणवी भाषा की प्रसिद्ध कहावत 'खाज में दाद' बिचला बाजार नाइक्लालो की गली में उस समय चरितार्थ हो गई जब 15 दिन से पेयजल सप्लाई का इंतजार कर रहे लोगों को रविवार अलसुबह चार बजे आई पेयजल सप्लाई में सीवरयुक्त गंदा झागदार काला पानी आया, जिससे पूरे घर में दुर्गंध एवं झाग फैल गई और घरों की टंकियों में पहले से टैंकरों से खरीदकर भरा गया पानी भी खराब हो गया, जिससे लोगों के सामने पहले से भी ज्यादा संकट खड़ा हो गया हैं।

उल्लेखनीय हैं कि भिवानी शहर पेजयल सकंट से जूझ रहा था, इसी के चलते नाइक्लालो की गली में भी करीब दो सप्ताह से पेयजल समस्या बनी हुई थी, जिसकारण लोग टैंकरों से पानी खरीदकर अपना काम चला रहे थे। रविवार को अलसुबह चार बजे पेयजल सप्लाई आई, जिसमें सीवरयुक्त गंदा झागगार काला पानी आया, जो घरों की टंकियों में डल गया। रविवार अलसुबह 4 बजे से 4:15 बजे तक करीब 15 मिनट तक आई सप्लाई में सीवरयुक्त गंदा पानी ही आता रहा, जिससे घरों में, झाग ही झाग, दुर्गंध व बदबू फैल गई और इसके साथ ही टैंकरों से खरीदकर भरा गया टंकियों का पानी भी गंदा हो गया, जिससे उन्हें आर्थिक एवं मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही हैं। क्षेत्रवासी राजू, बजरंग, नवीन, कुलदीप, सुशीला, पूजा, निर्मला, मुन्नी व मूर्ति ने बताया कि जब से पानी की राशनिंग हुई, उसी दिन से हमारी गली में पानी नहीं आया। रविवार को करीब 15 दिन में आई पेयजल सप्लाई में सीवर का झागदार गंदा पानी आया, जिससे पूरे घर में दुर्गंध फैल गई। इसके बाद क्षेत्रवासियों ने जेई ताजदीन को फोन मिलाया तो उन्होंने एक बार भी फोन नहीं उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जेई ताजदीन कभी भी फोन नहीं उठाता, इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई होनी चाहिए, अन्यथा क्षेत्रवासी इसकी शिकायत सीएम विंडो को करेंगे या फिर रोड जाम करके विरोध जताएंगे।

देवसर चुंगी पर लाइन लीकेज के कारण प्रतिदिन हजारों लीटर पानी हो रहा बर्बाद

भिवानी। लीकेज पेयजल लाइन को दुरूस्त के लिए खोदे गड्ढे को अधर मे छोड़ने पर विरोध जताते दुकानदार। फोटो : हरिभूमि

- वॉल्ब का टूटा स्लैब दुरुस्त करने की बजाय विभाग ने सड़क के बीचों बीच रखा दिया पत्थर
- दुकानदारों ने चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे रोड जाम करने को मजबूर होंगे

भिवानी। देवसर चुंगी पर पिछले करीब चार माह से पेयजल लाइन लीकेज होने के कारण प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। समस्या के समाधान में देरी और टूटे वॉल्ब स्लैब की मरम्मत नहीं होने से नाराज दुकानदारों ने रविवार को जनस्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रोष जताया।

दुकानदारों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो सड़क जाम किया जाएगा। दुकानदारों ने बताया कि जनवरी माह में विभाग ने लीकेज ठीक करने के लिए गड्ढा खोदा था। कुछ दिन तक समस्या ठीक रही, लेकिन बाद में पाइप लाइन फिर से लीकेज करने लगी। इसके बाद विभाग ने दोबारा गड्ढा खोद दिया, लेकिन अब तक उसे सही नहीं किया गया। इससे दुकानों के सामने गड्ढा बने रहने से व्यापार प्रभावित हो रहा है।इसके अलावा पेयजल लाइन के वॉल्ब का स्लैब भी लंबे समय से टूटा पड़ा है। विभाग ने मरम्मत कराने की बजाय सड़क के बीच बड़ा पत्थर रख दिया, जो राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बना हुआ है। दुकानदारों और राहगीरों ने आरोप लगाया कि आए दिन वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और लोग चोटिल हो रहे हैं। उन्होंने जल्द लीकेज व स्लैब दुरुस्त करने की मांग की।

ऑल इंडिया वुशु यूनिवर्सिटी खेलों में मुस्कान ने जीता पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

श्रीनगर में 4 से 9 मई तक ऑल इंडिया वुशु यूनिवर्सिटी खेलों का आयोजन किया। खेलों में गांव हलवास मजरा देवसर वुशु खेल नर्सरी की खिलाड़ी मुस्कान तंवर ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए 45 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक जीतकर जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया।

विजेता खिलाड़ी का खेल नर्सरी में पहुंचने पर फूल मालाओं से स्वागत किया। कोच बीरू सिंह ने बताया कि मुस्कान तंवर होनहार खिलाड़ी है, इन्होंने पहले भी अनेक पदक जीते हैं। खिलाड़ी मुस्कान तंवर ने अपनी सफलता का श्रेय कोच बीरू सिंह व अपने माता-पिता को देते हुए कहा कि उन्होंने जो मुकाम प्राप्त किया है, यह सब उनके आशीर्वाद व उचित मार्गदर्शन का परिणाम है।

भिवानी। कोच के साथ पदक विजेता मुस्कान तंवर। फोटो : हरिभूमि

बाइक चोरी, पुलिस ने दर्ज किया मामला

लोहारू। लोहारू इलाके में इन दिनों चोरों के हौसले काफी बुलंद हैं। दो दिन पहले भी चोरों ने दिन दहाड़े सुनार की दुकान को निशाना बनाते हुए सुरेश सोनी की दुकान से चकमा देकर लाखों रुपयों के आभूषण चोरी कर लिए थे। वहीं पुलिस ने बीते दिन लोहारू में मोटरसाइकिल चोरी का एक और मामला दर्ज किया है। गत सप्ताह लाल बहादुर शास्त्री पार्क के सामने से भी भी मोटरसाइकिल चोरी की वारदात हो चुकी है। लगातार चोरी की घटनाओं से इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है।

पुलिस को दी शिकायत में सोहांसरा निवासी नरेश ने बताया कि वह किसी काम से मोटरसाइकिल लेकर लोहारू आया था। इस दौरान शहर में व्यक्ति उसकी मोटरसाइकिल चोरी करके फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की कार्यप्राणाली को लेकर लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

मोटर और तार चोरी का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। थाना बवानी खेड़ा पुलिस ने खेत से मोटर व कॉपर तार चोरी करने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार महेश निवासी जाटू लोहारी ने थाना बवानी खेड़ा में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 23 अप्रैल को जब वह अपने खेत में गया तो कमरे का ताला टूटा हुआ मिला तथा कमरे से सबमर्सिबल मोटर व कॉपर तार गायब मिले। शिकायत पर पुलिस ने थाना बवानी खेड़ा में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की थी। नौ मई को मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना भिवानी खेड़ा के मुख्य सिपाही प्रवेश कुमार ने अपनी टीम के साथ खेत से मोटर व तार चोरी करने के मामले में दूसरे आरोपी को बवानी खेड़ा से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान अजय पुत्र सुनील निवासी वार्ड नंबर- 5 बवानी खेड़ा के रूप में हुई है।

श्रीश्याम बाबा हारे के सहारे, जो दुःख में उनको पुकारता देते हैं सहारा : चेतननाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

दिनोद गेट स्थित बैंकवेट हाल में श्रीश्याम पुराण सकंद कथा का कलश व श्याम ध्वजा यात्रा निकालकर शुभारंभ किया। यात्रा में सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालुंओं ने भाग लिया। यात्रा महाराज चेतननाथ मुकुंदगढ़ वाले के सान्निध्य में निकाली। इसके बाद कथा शुरू हुई।

कथावाचन विजय शास्त्री अयोध्यावाले ने किया। चेतननाथ महाराज ने कहा कि श्रीश्याम बाबा हारे के सहारे हैं, जो व्यक्ति दुःख के समय में बाबा को पुकारता है, बाबा उसका सहारा बनकर उसके सभी दुःखों को हर लेते हैं। उन्होंने कहा कि जोभी भक्त श्री श्याम बाबा की कथा सुनता है उसके सुनने मात्र से ही सभी कष्ट दुर हो जाते हैं तथा आत्म शांति मिलती है। कथावाचक विजय शास्त्री ने बताया कि कथा श्रीश्याम पुराण सकंद महाभारत से उदरित है, ये कथा 16 मई तक चलेगी। कथा सायं साढे तीन से सांय साढ़े छह बजे तक होगी। कथा का आयोजन श्रीश्रद्धा धार्मिक उत्सव सेवा समिति के सहयोग से किया जा रहा है।

आकस्मिक मौत के कारण खाली हुआ था पद, मंजीत बने निर्विरोध सरपंच

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

बहल क्षेत्र के लाडावास गांव में सरपंच पद के उपचुनाव में मंजीत कुमार निर्वाचित घोषित हुए। सरपंच पद के लिए गांव से केवल मंजीत कुमार का ही नामांकन प्राप्त हुआ था जिस पर रविवार को निर्वाचन अधिकारी ने उनको निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र सौंपा। गौरतलब है कि पिछले आम चुनाव में लाडावास गांव में ओमप्रकाश विजय हुए थे। लेकिन, उनकी 25 अगस्त 2025 को आकस्मिक मौत हो गई थी। इस वजह से गांव के सरपंच का पद रिक्त हो गया था। उपचुनाव से पहले ग्रामीणों के बीच दिवंगत सरपंच ओमप्रकाश के पुत्र मनजीत कुमार को सरपंच पद के लिए चुनने पर सहमति बन गई थी। यही वजह रही कि गांव में सरपंच पद के लिए प्रशासन को सिर्फ मनजीत का ही नामांकन मिला। रविवार को निर्वाचन अधिकारी ने मनजीत कुमार को सरपंच के लिए निर्वाचित उम्मीदवार घोषित किया। गांव के युवा राममेहर ने बताया कि लाडावास गांव बहल खंड की सबसे छोटी पंचायत है और यहां केवल 295 मतदाता है।

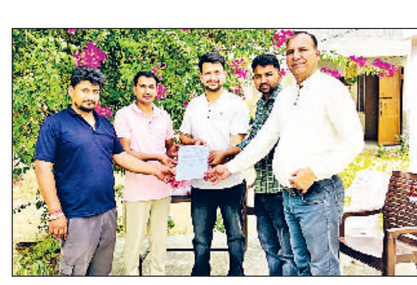

- लाडावास गांव बहल खंड की सबसे छोटी पंचायत, केवल 295 मतदाता

अमीनपुर पंचायतः फिर दोनों पंचों के पद रह गए रिक्त

बहल। अमीनपुर पंचायत में पंचायत उपचुनाव के बावजूद दो पंच पद एक बार फिर रिक्त रह गए हैं। नामांकन नहीं होने के कारण अब छह वार्डों वाली पंचायत का संचालन केवल चार पंचों के सहारे करना पड़ेगा। पंचायत में कुल 342 मतदाता हैं और पिछले पंचायत चुनाव में इसे पहली बार अलग पंचायत का दर्जा मिला था। वार्ड नंबर छह बीसीए वर्ग के लिए आरक्षित है, लेकिन गांव में इस वर्ग का कोई व्यक्ति नहीं है। ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन से वार्ड को सामान्य श्रेणी में बदलने की मांग की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। नामांकन न होने के चलते रविवार को यहां पोलिंग पार्टी भी नहीं पहुंची। वहीं वार्ड नंबर तीन का पद तकनीकी कारणों से खाली रह गया। यहां से निर्वाचित पंच अशोक कुमार के सरकारी सेवा में चयन के बाद इस्तीफा देने पर चुनाव आयोग को जरूरी शपथ पत्र नहीं दिया गया। आयोग के पोर्टल पर सीट रिक्त नहीं दिखी और नामांकन प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी। गांव के पूर्व प्राचार्य विजय सिंह ने प्रशासन से दोनों समस्याओं का समाधान कर पंचायत को पूर्ण रूप से सक्रिय बनाने की मांग की है।

जोगीवाला मंदिर में आज होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- कार्यक्रम में भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ और बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि की रहेगी गरिमामयी उपस्थिति

सोमनाथ मंदिर विरासत के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 11 मई को शिव नगर कॉलोनी स्थित जोगीवाला मंदिर में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी मुख्य अतिथि होंगी तथा भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ व बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एसडीएम महेश कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि सोमनाथ मंदिर हमारी धार्मिक भावना व आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 11 मई को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमनाथ मंदिर पहुंच रहे हैं। सोमनाथ मंदिर विरासत की 75 वीं वर्षगांठ को देशभर में एक पर्व के तौर पर मनाया जा रहा है। सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक जिला स्तर व उपमंडल पर विशेषकर शिव मंदिरों में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में भिवानी में यह जिला स्तरीय कार्यक्रम शहर के प्रसिद्ध जोगीवाला मंदिर में किया जा रहा है। कार्यक्रम को भव्य ढंग से आयोजन के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। डीसी द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सुबह आठ बजे मूलचंद मंदिर से जोगीवाला मंदिर तक कलश यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान महंतों व प्रबुद्धजनों द्वारा शिव महिमा पर प्रकाश डाला जाएगा। भजन मंडली द्वारा शिव भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सुबह 10 बजे सोमनाथ मंदिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा।

जीवन की नाव को केवल गुरु ही पार लगा सकताः पूर्ण साहेब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

संत शिरोमणी कबीर साहेब की दया से संत इन्द्रमणी साहेब की गद्दी के उतराधिकारी संत पूर्ण साहेब के सानिध्य में जैन चौक लाल मस्जिद पटवार खाना के पास सत्संग, भजन व भण्डारे का आयोजन किया गया। संत पूर्ण साहेब ने सत्संग किया और संत शिरोमणी कबीर साहेब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। इसके साथ-साथ उन्होंने कहा कि जीवन की नाव को केवल गुरू ही पार लगा सकता है। इस अवसर पर रमेश सैनी, भगवान दास कालिया, बिशंबर दयाल, राजेन्द्र प्रसाद, कर्णपाल सिंह, तारीफ, सोनू डाबला, संजय डाबला, संजय नागर, राज कपूर, सोनू नागर, जितेन्द्र छिक्कारा आदि मौजूद रहे।

विवाहिता युवती लापता गुमशुदगी की शिकायत

लोहारू। उपमंडल के एक गांव से विवाहिता युवती के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। युवती की मां की शिकायत पर लोहारू पुलिस ने शिकायत दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

युवती की मां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके दो बेटी और एक बेटा है। बेटियां शादीशुदा है। एक बेटी ससुराल में अनबन के चलते एक साल से पीहर में ही रह रही थी। गत दिवस उसकी बेटी बिना बताए कहीं चली गई तथा उसकी आस पड़ोस में काफी तलाश की गई लेकिन वह नही मिली। पुलिस ने विवाहिता युवती की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

- मायके में रह रही थी विवाहिता युवती

अवतरण दिवस पर सेवा कार्यों की बहार, हवन से हुआ 6 दिवसीय कार्यक्रमों का आगाज

स्वामी जी का जीवन मानवता और गीता के संदेश को समर्पितः विनोद

- सेवा पर्व के रूप में मनाया जाएगा स्वामी ज्ञानानंद महाराज का अवतरण दिवस : डा. अंचल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

गीता मनीषी महामंडलेश्वर स्वामी श्री ज्ञानानंद महाराज के आगामी अवतरण दिवस 15 मई को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। इस पावन अवसर पर जहां करनाल में भव्य श्रीकृष्ण कृपा प्रेरणा उत्सव और श्री राधा जागरण का आयोजन होगा, वहीं भिवानी की श्रीकृष्ण कृपा जीयो गीता समिति ने भी सेवा और समर्पण की एक विशेष श्रृंखला तैयार की है।

रविवार को भिवानी में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। इस अवसर पर श्रीकृष्ण कृपा जीयो गीता के चेयरमैन डा. विनोद अंचल, ओपी नंदवानी, चंद्रप्रकाश, अध्यक्ष नरेश आहुजा, सचिव विनोद छाबड़ा, युवा अध्यक्ष संजय कामरा, सह सचिव बीके जावला, दर्शन मिड्ढा, बिशंबर अरोड़ा, अंकित, मोंटी, पुष्पेंद्र, गजेंद्र, यतिन, नदीम, कुलदीप, हर्षित सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि स्वामी जी का जीवन मानवता और गीता के संदेश को समर्पित है। उनके अवतरण दिवस को हम केवल एक उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा पर्व के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने बताया कि भिवानी में 15 मई तक 6 दिवसीय प्रतिदिन अलग-अलग सेवा कार्य किए जाएंगे, ताकि गुरुदेव का कृपा प्रसाद हर जरूरतमंद तक पहुंच सके। जिसकी शुरूआत रविवार को स्थानीय जिला कारागार में हवन से हुई। हमारा संकल्प है कि हम समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा कर स्वामी जी के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करें। उन्होंने बताया कि 11 मई को अनाथालय में पौधरोपण एवं स्टेशनरी वितरण, 12 मई को सुबह 6 से बजे ओमप्रकाश सरदाना पार्क में निःशुल्क चिकित्सा कैंप, नागरिक अस्पताल में सुबह 9 बजे रक्तदान शिविर तथा सांय 5 बजे से कृष्णा कॉलोनी स्थित सनातन धर्म मंदिर में सुंदर कांड एवं गीता पाठ, 13 मई को सुबह साढ़े 6 बजे हनुमान जोहड़ मंदिर से नशा मुक्त जागरूकता यात्रा, सांय साढ़े 7 बजे रोहतक रोड़ गौशाला में गौसेवा, 14 मई को आस्था स्पेशल स्कूल में प्रातः 7 बजे श्लोक उच्चारण एवं संगीत, 15 मई को प्रातः 7 बजे दृष्टि बाधित दिव्यांग सशक्तिकरण संस्था द्वारा दिव्यांगजनां के साथ भजन व नाश्ता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

भिवानी। अवतरण दिवस की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में उपस्थित लोग। फोटो : हरिभूमि

खोखरा कोट

रोहतक शहर के मध्य बसे खोखरा कोट का इतिहास शताब्दियों पुराना है। खुदाई के दौरान यहां से 350 ई. पूर्व के प्राचीन अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने इसे अपने अधीन ले रखा है। इतिहासकार बताते हैं कि योधेयों के नगर रहे खोखरा कोट में राजप्रणाली प्रजातंत्र की होती थी। इसका अंतिम शासक खोखर गोत्र का व्यक्ति था, जिसकी वजह से इसका नाम खोखरा कोट पड़ा। कोट का अर्थ किला होता है।

रागनियों में लोकाचार और सामाजिक मूल्य

हरियाणवी रागनियां मनोरंजन के साथ-साथ हमें सिखाती हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना है, कैसे संबंधों की पवित्रता को बनाए रखना है और कैसे लोकाचार और सामाजिक मूल्यों का यह समन्वय ही हरियाणवी संस्कृति को विशिष्टता प्रदान करता है।

लोक संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणवी जनमानस की रगों में जो संस्कृति और दर्शन प्रवाहित होता है उसका सबसे मुखर और प्रमाणिक दस्तावेज हैं हरियाणवी रागनी। यह केवल मनोरंजन का साधन मात्र नहीं हैं बल्कि यह उस सामाजिक ताने-बाने, नैतिकता, लोक-व्यवहार और जीवन-दर्शन का निचोड़ हैं जिसे सदियों से हरियाणा के ग्रामीण आंचल ने जिया है।

जब हम हरियाणवी रागनियों में लोकाचार और सामाजिक मूल्य का अध्ययन करते हैं तो पाते हैं कि हरियाणवी लोक-कवियों और सांगी कलाकारों ने समाज के हर सूक्ष्म पहलू को अपनी लेखनी से छुआ है। चाहे वह मित्रता की मर्यादा हो, गरीबी का दंश हो, भक्ति का मार्ग हो या पारिवारिक रिश्तों की कड़वाहट और मिठास। लोकाचार का अर्थ है, वह व्यवहार जो समाज में प्रचलित हो और जिसे नैतिकता की कसौटी पर परखा गया हो। हरियाणा की माटी के इन लोक-कवियों ने अपनी रागनियों के माध्यम से समाज को आईना दिखाने का काम किया है। इन रचनाकारों ने ग्रामीण परिवेश की शब्दावली में उन गूढ़ रहस्यों को प्रकट किया है, जिन्हें समझने के लिए बड़े-बड़े ग्रंथों की आवश्यकता पड़ती है। लोकाचार में सत्य की महिमा सर्वोपरि है, लेकिन सत्य का मार्ग कितना कठिन है और मानवीय स्वभाव में अविश्वास की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका सजीव चित्रण बाजे भगत की लेखनी में मिलता है।

साची बात कहण म्हं सखी होया करै तकरार
दगाबाज बेरहम बहन ना मरदां का इतवार
धन माया के बारे म्हं किसे बिरले तै दिल डाट्या जा सै
जो तने दे दिया राज दान म्हं, मेरे तै के नाट्या जा सै

यहां कवि ने न केवल सामाजिक तकरार की बात की है, बल्कि बिरले व्यक्तियों के माध्यम से उस ऊंचे चरित्र की ओर संकेत किया है जो मोह-माया से मुक्त है। सामाजिक मूल्यों में वचन और दान की महत्ता को बाजे भगत सर्वोपरि मानते हैं।

समाज में आर्थिक स्थिति और मानवीय संबंधों के अंतर्संबंधों पर जब हम विचार करते हैं, तो पं. मांगे राम का दर्शन एक कठोर सत्य बनकर उभरता है। हरियाणा के लोक साहित्य में दरिद्रता को केवल भौतिक अभाव नहीं माना गया, बल्कि इसे समस्त दुखों की जननी और रिश्तों के बिखराव का कारण बताया गया है। मांगे राम के शब्दों में लोकाचार का यह पक्ष अत्यंत मर्मस्पर्शी है :

टोट्टे आळे माणस का पिया नहीं किसे संग प्यार रहै
मां का जाया दुश्मन बणज्या हरदम खाए खार रहै
बोल में बोल मिलै ना किसे का न्यू घर म्हं तकरार रहै
काम म्हं बरकत कती नहीं जब धुर तै पाटी सार रहै

लोककवि मांगे राम यहां गरीबी के उस मनोविज्ञान को पकड़ रहे हैं, जहां अभाव में मनुष्य का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और सगे भाई-बंधु भी दूरी बना लेते हैं। यह लोकाचार का वह यथार्थवादी पक्ष है जो समाज को आर्थिक रूप से सशक्त होने और स्वाभिमान के साथ जीने की प्रेरणा देता है। वे सामाजिक मूल्य के रूप में आत्मसम्मान को जीवन से भी ऊंचा स्थान देते हैं।

धर्म और पाखंड के बीच की महीन रेखा को समझना भी लोकाचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुंशी राम जांडली उन ढोंगी लोगों पर प्रहार करते हैं जो केवल शब्दों का जाल बुनकर समाज को गुमराह करते हैं। उनकी दृष्टि में दिखावटी ग्रंथ रचना की अपेक्षा लोक-कल्याण ही वास्तविक धर्म है :

घरां बैठ के ग्रंथ बणा ले झूठ चलावण लागे
जीभ चटोरे ऊत लुटेरे जाल फैलावण लागे

इस कटाक्ष के समानांतर जब हम मेहर सिंह की रचना को देखते हैं, तो हमें धर्म का वास्तविक और सकारात्मक पक्ष दिखाई देता है। मेहर सिंह के अनुसार धर्म कोई बंधन नहीं, बल्कि वह प्रकाश है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को मिटाता है :

नजर फला कै देख लिए नित पेड़ धर्म का फलता है
सत का तेल घलै दीपक मैं तो ज्ञान उजाला जलता है
धर्म के फंदे मैं फंस कै मन नहीं हिलाया हिलता है
अच्छी शोभत वाले को पिया अच्छा ही फल मिलता है

मेहर सिंह यहां संदेश देना चाहते हैं कि सत यानी सत्य का आचरण ही वह तेल है जिससे ज्ञान का दीपक प्रज्वलित रह सकता है।

मानवीय स्वभाव की कोमलता और अटूट विश्वास की बात करते हुए रामकिशन व्यास ने जो उदाहरण दिए हैं, वे लोक-बुद्धि की पराकाष्ठा हैं। वे समझाते हैं कि कुछ चीजें जीवन में इतनी नाजुक होती हैं कि एक बार की लापरवाही उन्हें सदैव के लिए नष्ट कर सकती है :

मन मौती और दुध बताया इनका एक सुभा से
पाटे पिछे फेर मिले ना यो कुदरत का न्या सै

यह उपमा लोकाचार की उस मर्यादा को स्थापित करती है, जहां व्यक्ति को अपने शब्दों और आचरण के प्रति अत्यंत सजग रहना चाहिए। मन का फटना समाज में अविश्वास की खाई पैदा करता है जिसे फिर कभी भरा नहीं जा सकता। यहां विश्वास को सबसे बड़े सामाजिक मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है।

पंडित लखमीचंद, जिन्हें हरियाणा का सूर्य कवि कहा जाता है, उन्होंने मित्रता की आड़ में छिपे पाखंड और स्वार्थ को अत्यंत स्पष्टता के साथ चित्रित किया है। उनकी दृष्टि में मित्रता एक तपस्या है, लेकिन कलयुगी समाज में इसे केवल स्वार्थ सिद्धि का साधन बना लिया गया है :

नई-नई यारी लागै प्यारी दोष पाछले ढक ले
मतलब खात्यर यार बणें फेर थोड़े दिन में छिक ले
नहीं जाणते फर्ज यार का पाप पंक में पक ले
कैं तैं खाज्यां धन यार का ना बाहण बहू नै तक ले
करें बहाना यारी का इसे यार बणे हांडे सैं

लखमीचंद की यह चेतावनी समाज के नैतिक पतन की ओर इशारा करती है। वे उन मर्यादाओं की याद दिलाते हैं, जहां मित्र के परिवार को अपना परिवार समझा जाता था। यहां शुद्ध आचरण और निःस्वार्थ प्रेम जैसे सामाजिक मूल्यों पर बल दिया गया है।

> ***विभिन्न लोक-कवियों की कुछ रागनियों के सन्दर्भों के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन मात्र नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन को सुसंस्कृत बनाने वाली एक पाठशाला है।***

सामाजिक विडंबनाओं और न्याय के अंतर्विरोधों पर हरिकेश पटवारी का चिंतन अत्यंत गहरा है। वे देखते हैं कि समाज अक्सर उन लोगों के प्रति निष्ठुर हो जाता है जो सीधे और सरल होते हैं :

शुद्ध स्वतंत्र संतोषी, महाकष्ट विपत भरते देखे
डूबे सुने तैराक बली, कायर के हाथ मरते देखे
चालबाज बदमाश मलंग से, बड़े-बड़े डरते देखे
शील संत और साधारण का, सब मखौल करते देखे

पटवारी जी इस रचना के माध्यम से उस कड़वी हकीकत को बयां करते हैं, जहां सज्जनता को कमजोरी का पर्याय मान लिया जाता है। लोकाचार का यह पक्ष हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हम वास्तव में गुणों का सम्मान करने वाला समाज बना पाए हैं?

पारिवारिक नैतिकता और माता-पिता के प्रति कर्तव्यों की जब बात आती है, तो ज्ञानी राम शास्त्री की रागनी एक कालजयी उपदेश बन जाती है। वे उस पाखंड को जड़ से मिटाने की बात करते हैं जो जीवित अवस्था में तिरस्कार और मृत्यु के पश्चात सम्मान का प्रदर्शन करता है:

मात पिता के मरे बाद आंसू टपकाकै के होगा
जिन्दें जी जूते मारे फेर फूल चढ़ाकै के होगा
कहणा मन्या नहीं कदे फेर तिलक लगणा ठीक नहीं
छुए कोन्या पैर कदे फेर शीश झुकाणा ठीक नहीं

यह रचना हरियाणा के उन मूल संस्कारों का प्रतिनिधित्व करती है, जहां पितृभक्ति को ही सबसे बड़ा तीर्थ माना गया है। लोकाचार का यह अनिवार्य हिस्सा है कि व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहे, न कि कर्मकांडों के पीछे भागे। यह सामाजिक मूल्यों की आधारशिला है।

अंत में, विद्या और ज्ञान के अर्जन के लिए आवश्यक अनुशासन और विनम्रता पर निहाल चंद निहाल का दर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे स्पष्ट करते हैं कि ज्ञान कोई स्थिर वस्तु नहीं है, बल्कि यह निरंतर अभ्यास की मांग करता है :

मुख पै करूं सराहना इसकी, विद्या का नहीं ध्यान धरै।
ऐसी बुद्धि हो ज्यागी जैसे, बिन मांजी तलवार जरै।
बिना घमण्ड अभ्यास करे तै, विद्या का भण्डार भरै।
ऋषि मुनि कहते आवैं, अभिमान ज्ञान का नाश करै।

निहाल चंद निहाल की यह पंक्तियां समझाती हैं कि बुद्धि और विद्या को निरंतर मांजना पड़ता है, अन्यथा वे जंग लगी तलवार की तरह निष्प्रभावी हो जाती हैं। यहां विनम्रता और निरंतरता को बौद्धिक सामाजिक मूल्य के रूप में स्थापित किया गया है। विभिन्न लोक-कवियों की कुछ रागनियों के सन्दर्भों के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन मात्र नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन को सुसंस्कृत बनाने वाली एक पाठशाला है। भिन्न-भिन्न कालखंड में बाजे भगत से लेकर निहाल चंद निहाल जैसे सभी लोक-कवियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को एक नैतिक दिशा देने का प्रयास किया है।

हरियाणवी रागनियां मनोरंजन के साथ-साथ हमें सिखाती हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना है, कैसे संबंधों की पवित्रता को बनाए रखना है और कैसे लोकाचार और सामाजिक मूल्यों का यह समन्वय ही हरियाणवी संस्कृति को विशिष्टता प्रदान करता है। जब तक ये स्वर गूंजते रहेंगे, समाज में नैतिकता और मानवीय मूल्यों की रक्षा होती रहेगी। यह आलेख इन महान लोक-कवियों की उस दूरदर्शिता को समर्पित है जिन्होंने लोक-भाषा में जीवन के गूढ़ रहस्यों को पिरोकर हमें सौंप दिया है ताकि हम अपनी जड़ों से जुड़े रह सकें और एक न्यायप्रिय व सुसंस्कृत समाज का निर्माण कर सकें।

रागिनी **शकुन्तला काजल 'शकुन'**

दिल मैं वतन समाज्यागा

भारत की सेवा की जिस दिन, जन-जन कसम उठाज्यागा,
दुनिया के म्हाँ देश हमारा..सब तैं आगै आज्यागा..।

देशद्रोही और आतंकी, घणी कर चुके हैं नौटंकी!
मारे जां ये सारे सनकी दुश्मन भी भय खाज्यागा।
दुनिया के म्हाँ.........।

जात-पात न भाषा देखो, न धर्म के नाम तमाशा देखो !
देशप्रेम रस पी कै देखो-दिल म्हँ वतन समाज्यागा..
दुनिया के म्हाँ.............।

हीरे-मोती से अपणे टाबर, छोरा-छोरी एक बराबर!
देवां संस्कार पावाँगे आदर मजा रै जीणै का आज्यागा...
दुनिया के म्हाँ........।

योग कर्म जग करणे लगज्या, हर घर की तस्वीर संवरज्या !
जग म्हँ विश्व गुरु का दर्जा-हट कै भारत पाज्यागा..
दुनिया के म्हाँ.........।

नवाचार की अलख जगावाँ, नवभारत निर्माण करावाँ!
जन-गन-मन सब मिल कै गावाँ-राष्ट्र ध्वज इतराज्यागा..!
दुनिया के म्हाँ देश हमारा सब तैं आगै आज्यागा. ..!!!

रागिनी **त्रिलोक चंद फतेहपुरी**

नुगरे नाग

देश मैं पळ रहे नुगरे नाग।
मार रहे फुंकाड़ वो जालिम उगल रहे हैं आग।

कुछ काळै कुछ चितकबरें से
पिवण सॉप की ज्यूँ बिफरे से
कुंडली मार के बैठे हैं कई
इधर-उधर को बिखरे से
निर्दोषों कै डंक मार कै, फोड़ रहे हैं भाग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कई लांबे, कई मोटे -मोटे
नोंच -नोंच कै खावै बोटें
चादर ओढ़े भळ मणसी की
मन के उजले कर्म हैं खोटे
उनकी चालबाजियों से ही, उजड़े कई सुहाग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कई पिलपिले मगर हठीले
लांबी पूँछ अर दॉत नुकीले
मार - मार फण कर दें बेदम
वे बेरहम बड़े जहरीले
जहर उगल कर बुझा रहे हैं, जलते हुए चिराग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कुछ फणधारी कुछ मणीधारी
धन बल, छल बल के भंडारी
बदल - बदल कर अपणी केंचुली
लूट रहे हैं दौलत म्हारी
कर ले बंद पिटारी में उन्हें, ओ त्रिलोकी जाग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पहनावा **कला और सौंदर्य के गहरे पारखी थे हमारे पूर्वज, प्रदेश की अमूल्य विरासत के संरक्षण की शिद्दत से दरकार**

आभूषणों में सिमटी गौरवशाली हरियाणवी विरासत

श्रृंगार **सरिता**

हरियाणा की पावन धरा अपनी वीरता और कृषि प्रधान संस्कृति के साथ-साथ अपने अद्वितीय पहनावे और आभूषणों के लिए भी सारी दुनिया में एक विशेष पहचान रखती है।

यहां की माटी का सोंधापन यहां की महिलाओं के आभूषणों में भी झलकता है। हरियाणवी आभूषण केवल स्वर्ण या रजत के निर्जीव टुकड़े न होकर हरियाणवी लोक-जीवन, रीति-रिवाजों और पूर्वजों की कलात्मक सोच का जीवंत साक्ष्य हैं। यदि हम हरियाणवी देहात के पुराने संदूकों की धूल झाड़कर उन्हें खोलें, तो उनमें से ऐसी शिल्पकारी निकलती है जो आज के दौर के आधुनिकतम ज्वेलरी डिजाइनों को भी मात देने की क्षमता रखती है। यह आभूषण यहां की नारी के स्वाभिमान, उसके सुहाग की लंबी आयु और परिवार की संपन्नता के मौन उद्घोषक रहे हैं। हरियाणवी महिला के श्रृंगार की यात्रा मस्तक से आरंभ होकर पैरों की उंगलियों तक एक शास्त्रीय क्रम में चलती है। मस्तक का सबसे गौरवशाली आभूषण बोरला रहा है। लट्टू के आकार का यह गहना सुहाग का प्रतीक होने के साथ-साथ चेहरे को एक विशिष्ट सौम्यता प्रदान करता है। प्राचीन समय में इसके साथ कोड़ी और जूड़ा जैसे आभूषणों का प्रयोग बालों को सहेजने के लिए किया जाता था। माथे पर सुशोभित शीशफूल और विशेष रूप से प्राचीन काल में प्रचलित मुख का छाज चेहरे की आभा को इस प्रकार ढकते और उभारते थे कि देखने वाले को राजसी वैभव का बोध होता था। माथे पर सिंदूरी बिंदी और आंखों में दीये की लौ से पाड़ी गई स्याही यानी काजल

की गहरी धार, ग्रामीण सौंदर्य को एक नया आयाम देती थी। कानों में पहने जाने वाले डाण्डे, बुजनी, और करणफूल न केवल कान की शोभा बढ़ाते थे, बल्कि सोने के बुन्दे और झुमकों की झंकार खेतों में काम करते समय भी एक लयबद्ध मधुरता घोलती थी। नाक में पहनी जाने वाली बड़ी नथ और छोटी लौंग या कोका सुहागिन स्त्री के मुख मंडल पर चमक बिखेरते थे। गले के आभूषणों की बात करें तो यहां की विविधता चकित कर देने वाली है। पुराने समय में हंसली का बहुत महत्व था, जो चांदी का एक ठोस और भारी गोलाकार आभूषण होता था। इसके अतिरिक्त झालरा, जो चांदी के सिक्कों की एक लंबी लड़ी होती थी, ग्रामीण महिलाओं का सबसे प्रिय आभूषण रहा है। यह झालरा छाती पर लहराते हुए एक विशेष प्रकार का संगीत पैदा करता था। हरियाणवी लोकगीतों और रागिनियों में वर्णित गलश्री, जुगनी और कण्ठी जैसे आभूषण नगीनेदार सुंदरता के पर्याय रहे हैं। चम्पा कली की बहार और सीने पर पड्या हुआ जंजीरा चोंकी वाला हार उस समय के सामाजिक रसूख और वैभव को दर्शाता था। मटर माला और गुल्बन्द जैसे आभूषण मखमल के कपड़े पर सोने की टिकियों को जड़कर तैयार किए जाते थे, जो गले से सटे रहकर सौंदर्य को दोगुना कर देते थे।

हाथों और बांहों के श्रृंगार में हरियाणा का कोई सानी नहीं है। यहां बांह के ऊपरी हिस्से पर पहने जाने वाले बाजूबन्द, सितोल और बाजू चौंक जैसे भारी आभूषणों का चलन रहा है। टाड़, जो चांदी का एक अत्यधिक भारी और ठोस कड़ा होता था, महिला के धैर्य और सामर्थ्य का भी प्रतीक था। कलाई पर सजे गजरे, पोंहची, परीबन्द और चूड़ियों का रंग निराला ही होता था। कांगनी और तिरैया जैसे आभूषण हाथों की उंगलियों तक एक प्रवाह बनाते थे। विशेष रूप से आरसी, जो अंगूठे में पहनी जाने वाली एक अंगूठी होती थी और जिसमें एक छोटा दर्पण जड़ा होता था, घूंघट प्रथा के उस दौर में महिला के लिए अपना मुख और पीछे का दृश्य देखने का एक चतुर और सुंदर माध्यम थी। हथफूल की लड़ियां जब हथेली के पीछे सजती थीं, तो वह किसी शिल्पकला के नमूने जैसा प्रतीत होता था। कमर का सबसे महत्वपूर्ण आभूषण तगड़ी है, जिसे करधनी भी कहा जाता है। चांदी की बनी यह भारी तगड़ी जब घाघरे के ऊपर बांधी जाती थी, तो वह शरीर के संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ कमर की सुंदरता को भी उभारती थी। तगड़ी के साथ लटकता तालियों का गुच्छा और चांदी का बाजणा नाड़ा चलते समय एक विशेष धमक पैदा करता था। पैरों के आभूषणों में तो जैसे पूरा लोक-संगीत ही सिमट आता था। चांदी की भारी झांझर, नेवरी और रमझोल की झंकार जब गलियों में गूंजती थी, तो ऐसा लगता था मानो सावन की फुहारें बरस रही हों। पैरों की उंगलियों में सुशोभित बिछुए और चुटी सुहाग का अटूट हिस्सा माने जाते थे।

आधुनिक युग में समय की गति के साथ पहनावे और आभूषणों की पसंद में बड़ा परिवर्तन आया है। मशीनी युग के हल्के आभूषणों ने इन भारी और ठोस हस्तनिर्मित कलाकृतियों की जगह ले ली है। यह समझना अनिवार्य है कि ये आभूषण केवल सजावट की वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि ये हमारी सांस्कृतिक पहचान की जड़ें हैं। ये हमें बताते हैं कि हमारे पूर्वज कला और सौंदर्य के कितने गहरे पारखी थे। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी इस अमूल्य विरासत का संरक्षण करें।

सिनेमा बिजनेस नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी : वारिस

कलाकार **डॉ. तबस्सुम जहां**

वारिस इब्न फ़ारूक़ मेवात में जन्मे एक फ़िल्म निर्देशक हैं। इनका परिवार तब्लीगी जमात से ताल्लुक रखता है और जिस वातावरण से वे आते हैं, वहां फ़िल्मी दुनिया में जाना सकारात्मक नहीं माना जाता। वारिस का बचपन से ही सिनेमा के प्रति लगाव था। उन्होंने अपने बड़े भाई से प्रेरित होकर डीवीडी के ज़माने से ही हॉलीवुड की फ़िल्में देखना शुरू किया।

मदरसे में पढ़ाई के साथ-साथ उनका मन सिनेमा की ओर आकर्षित हुआ, लेकिन परिवार की उम्मीदों और डर ने उन्हें इससे दूर रखा। उन्होंने लॉ की पढ़ाई की, लेकिन अंदर से सिनेमा की चाह खत्म नहीं हुई। एक दोस्त के ज़रिये उन्हें एक अवसर मिला और उन्होंने अपने परिवार को बिना बताए सुपवा में एडमिशन लिया और फ़िल्म निर्माण इंडस्ट्री में कदम रखा। धीरे-धीरे उनके परिवार को उनकी गतिविधियों का पता चला, जिससे उनका परिवार बेहद नाराज़ हो गया। वारिस ने अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश जारी रखी। उन्होंने अपनी यात्रा को एक साहसिक कदम के रूप में देखा, जिसमें उन्होंने कई बाधाओं का सामना किया। शुरुआत में उन्हें डायरेक्शन और एडिटिंग का ज्ञान नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने वहां साउंड और सिनेमैटोग्राफी के बारे में सीखा। उन्होंने सुपवा में शॉर्ट फ़िल्म बनाई, जो कुछ

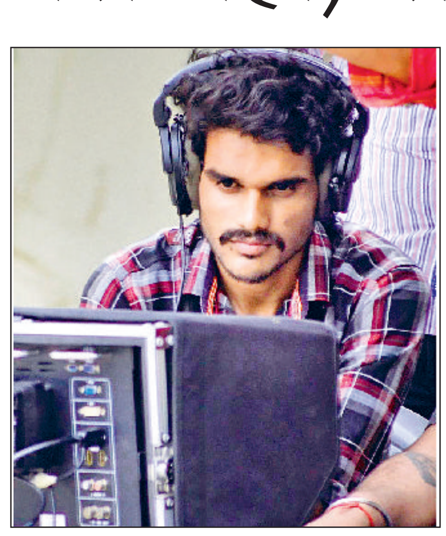

फेस्टिवल्स में पहचानी गई, जिसमें इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित एक फ़िल्म भी शामिल थी। इस प्रक्रिया में उनके परिवार का समर्थन महत्वपूर्ण रहा। वारिस का पहला प्रोजेक्ट 'वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप' इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित था, जिसमें हास्य और संदेश का मिश्रण था। इस प्रोजेक्ट को विभिन्न स्थानों पर मान्यता मिली, जिसमें इटली में एक लाइव इंटरव्यू शामिल था। इसके बाद उन्होंने अन्य फ़िल्मों जैसे 'क़रीन' और 'ज़रक' का निर्माण किया। कॉलेज में उन्हें दो डिग्री फ़िल्म बनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वारिस वर्तमान हरियाणवी सिनेमा पर चर्चा करते हुए बताते हैं कि यह सिनेमा अभी शुरुआती दौर में है, इसलिए इसकी आलोचना करने के बजाए इसे समझने की ज़रूरत है। अब धीरे-धीरे फ़िल्मों में सुधार आ रहा है और "दादा लखमी" जैसी फ़िल्में बेहतर तरीके से बन रही हैं। फिर भी हरियाणा में कम बजट और कलाकारों के शोषण की समस्या है, जिससे उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिलता। इसके बावजूद हरियाणा में काफ़ी प्रतिभा है और भविष्य में सिनेमा के बेहतर होने की उम्मीद है। वारिस ने हरियाणा स्टेज के साथ तीन प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर काम किया है—वेब सीरीज़ "मेवात" (लेखक-निर्देशक), फीचर फ़िल्म "अंडा गैंग" (निर्देशक) और डॉक्यूमेंट्री "ऑपरेशन मेवात" (एसोसिएट डायरेक्टर)। उन्होंने यशपाल शर्मा के साथ इंडिपेंडेंट फ़िल्म "रावण" भी बनाई है, जो जल्द ही एक अच्छे प्लेटफ़ॉर्म पर रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा वे डी.डब्ल्यू. न्यूज़ और अल जज़ीरा जैसे अंतरराष्ट्रीय न्यूज़ चैनलों के लिए कई डॉक्यूमेंट्रीज़ बना चुके हैं। उन्हें "मेवात" के लिए बेस्ट डायरेक्टर और "मिराज" व "वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप" जैसी शॉर्ट फ़िल्मों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार मिल चुके हैं। सरकार हरियाणा में जो फ़िल्म पॉलिसी लेकर आई है, उस संदर्भ में वारिस बताते हैं कि यह एक सकारात्मक पहल है, लेकिन स्ट्रगलिंग फ़िल्ममेकर्स के लिए इसमें डायरेक्ट एक्सेस की कमी और नेटवर्क पर निर्भरता साफ़ दिखाई देती है।

> **वारिस का पहला प्रोजेक्ट 'वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप' इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित था, जिसमें हास्य और संदेश का मिश्रण था। इस प्रोजेक्ट को विभिन्न स्थानों पर मान्यता मिली, जिसमें इटली में एक लाइव इंटरव्यू शामिल था।**

इसका लंबा और औपचारिक प्रोसेस समय और संसाधन दोनों की मांग करता है, जिससे काम की गति धीमी हो जाती है। इस पर निर्भर रहने के बजाय प्रोड्यूसर्स के साथ काम करना ज़्यादा व्यावहारिक और प्रभावी विकल्प है।

इनका मानना है कि आजकल रियलिटी और सामाजिक मुद्दों पर अधिक फ़िल्में बन रही हैं, लेकिन सामाजिक मुद्दों पर फ़िल्में बनाते समय बायस के कारण संतुलन खो जाता है और वे प्रोपेगेंडा जैसी लगने लगती हैं, जबकि सिनेमा में ज़िम्मेदारी और बैलेंस बेहद ज़रूरी है। उन्होंने बताया, "और सच कहूँ तो मैं खुद भी अभी तक वैसी फ़िल्म नहीं बना पाया हूं, जिस पर गर्व कर सकूं।" उनके शब्दों में- 'दादा लखमी' जैसी फ़िल्में न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि संस्कृति और विरासत को ईमानदारी से सामने लाकर इंडस्ट्री को नई दिशा देने की क्षमता रखती हैं।' नए लोगों के बारे में वारिस का कहना है कि सिनेमा सिर्फ़ बिज़नेस नहीं, बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है, इसलिए जो भी बनाओ, उसे पूरी ईमानदारी और समझदारी के साथ बनाओ।

खबर संक्षेप

भाजपा विश्व का सबसे राजनीतिक दल : विरेंद्र

भिवानी। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में रविवार को पदाधिकारियों की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। आगामी राजनीतिक चुनौतियों और संगठन की मजबूती को लेकर आयोजित इस बैठक में जिले के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। बैठक का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ को और अधिक सशक्त बनाना और सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना रहा। भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल अपने समर्पित कार्यकर्ताओं के दम पर है। हमारी असली शक्ति हमारे बूथ स्तर के कार्यकर्ता हैं। आने वाले समय में हमें प्रत्येक बूथ को अभेद्य किला बनाना है। हर कार्यकर्ता बूथ जीता, चुनाव जीता के संकल्प के साथ मैदान में उतरे और केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों को हर घर की दहलीज तक लेकर जाए।

मजदूरों पर श्रम संहिताएं थौंपने की निंदा की

भिवानी। सीपीआई (एम) जिला कमेटी भिवानी ने मजदूरों पर श्रम संहिता लागू करने की निंदा की व हरियाणा सरकार से संशोधन लाने की मांग की है। पार्टी जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो ने 8 मई को केंद्रीय नियमों की अधिसूचना के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा श्रम संहिता लागू करने की निंदा की तथा कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार एक अप्रैल से ही श्रम संहिता लागू करना चाहती थी, लेकिन उसने धोखे से चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव समाप्त होने तक नियमों की अधिसूचना जारी करने का इंतजार किया। कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि चुनाव परिणाम घोषित होने के मात्र चार दिनों के भीतर ही उन्होंने श्रम संहिता लागू कर दी है। इससे भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कपटपूर्ण कार्यप्रणाली का पर्दाफाश होता है। उन्होंने कहा कि राज्यों में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें श्रम संहिता को लागू करने के लिए उत्सुक हैं और उन्होंने राज्य स्तरीय नियमों का मसौदा तैयार कर लिया है।

अस्पताल में नवजात बच्चे की मौत पर लगाए आरोप

नारनौल। सरकारी अस्पताल में नवजात की मौत के बाद परिजनों ने स्टाफ पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। पीड़ित पिता अटाली निवासी सतीश कुमार ने बताया कि वह शुक्रवार सुबह करीब 4:30 बजे अपनी पत्नी सोनाली को प्रसव के लिए नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जांच के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि गर्भ में बच्चे ने लेटरिन रखी है और उसकी धड़कन भी सामान्य से कम है। परिजनों का आरोप है कि इसके बावजूद अस्पताल स्टाफ ने महिला की स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया। परिवार का कहना है कि प्रसव पीड़ा के दौरान महिला लगातार दर्द से तड़पती रही और उसका पति बार-बार स्टाफ से मदद की गुहार लगाता रहा। लेकिन समय पर कोई सहायता नहीं मिली। आरोप है कि अस्पताल कर्मियों ने उनकी बात को नजरअंदाज कर दिया।

नपा चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी ने करवाया शुभारंभ

सेक्टरवासियों को 40 लाख के विकास कार्यों की सौगात मिली

सेक्टर 13 में वाहनों को खड़ा करने के लिए बनेगा पार्किंग स्थल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

रविवार को नगरपरिषद की तरफ से नपा चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने सेक्टर 13 के लोगों को मार्केट में 40 लाख रुपये के विकास कार्य शुरू करवाए। उक्त राशि से सेक्टर स्थित मार्केट में एक प्लेट फार्म (वाहनों को खड़े करने के लिए पार्किंग)तैयार करवाया जाएगा। ताकि बाहर से आने वाले लोगों को अपने वाहन खड़े करने में कोई परेशानी न हो। इस दौरान नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि की तरफ से वहां पर मौजूद सभी लोगों का मुंह मीठा करवाया। इससे पहले उक्त इलाके में करीब एक करोड़ रुपये की लागत से दो प्लेट फार्मो का निर्माण पहले ही करवाया जा चुका है। दूसरी तरफ नपा चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने बजरंग बली कॉलोनी में दो गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया। चूंकि उक्त दोनों गलियां सीवर लाइन डालने की वजह से क्षतिग्रस्त हो गई थी। इस दौरान नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि करीब आठ करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यो का टेंडर प्रक्रिया जारी है।

भिवानी। विकास कार्यो का शुभारंभ करवाते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

विकास को लेकर बुजुर्गों से की चर्चा

बजरंग बली कॉलोनी में दो गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाए जाने के बाद वहां पर उपस्थित बुजुर्गों के पास नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि बैठ गए। नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बुजुर्गों से शहर के विकास कार्यो को लेकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों से विकास कार्यो को लेकर सुझाव भी मांगे। चूंकि बुजुर्गों का हर तरह का तर्जुबा होता है। उसी के आधार पर शहर के विकास कार्यो के प्रस्ताव दे। इस दौरान लोगों ने शहर में बिजली के लटकतें तार व पीने के पानी की कमी की समस्या बताई। जिस पर नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने उनकी समस्याओं का समाधान के लिए पब्लिक हेल्थ व विद्युत निगम के अधिकारियों को समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने की कही।

बजरंग बली कॉलोनी में निर्माण कार्य शुरू

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि आज सेक्टर 13 में मार्केट के पास एक प्लेट फार्म के निर्माण कार्य शुरू करवाया गया है। जिस पर करीब 40 लाख रुपये की लागत आएगी। बजरंग बली कॉलोनी में दो गलियों के निर्माण कार्य शुरू करवाया गया है। इनके अलावा करीब 8 करोड़ रुपये के कार्यो के टेंडर लगाए गए है। जिनकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद कार्य शुरू हो जाएगा। उसके बाद शहर के 31 वार्डो में कोई भी गली कच्ची नहीं रहेगी।

मां ही बच्चे की प्रथम गुरु : पवन

- वैश्य सीनियर सैकण्डरी स्कूल मातृ दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अध्यापिकाएं। *फोटो : हरिभूमि*

वैश्य सीनियर सैकण्डरी स्कूल भिवानी में श्रद्धा के साथ मातृ दिवस मनाया गया। सीईओ महेश गर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया और मातृ शक्ति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि माँ ही प्रथम गुरू है तथा माँ ही बच्चे की पहली शिक्षिका और दोस्त होती है। सच्चे अर्थो में माँ ही जगत का आधार है। डॉ. पवन कुमार बुवानीवाला ने कहा कि माँ ईश्वर का ही रूप है। माँ हमारे पालन पोषण के लिए अपने सुख और सपनों का त्याग करती है। माँ जीवन की हर कठिनाई से लड़ने की शक्ति देती है। विजयकिशन अग्रवाल ने कहा कि मातृ दिवस माँ के निस्वार्थ प्रेम, त्याग और समर्पण को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। सुन्दरलाल अग्रवाल ने बताया कि माँ के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। माँ हमारे जीवन की सबसे अच्छी शिक्षिका एवं दोस्त होती है। मदर्स डे हमें यह याद दिलाता है कि हमे अपनी माँ के प्रति हमेशा प्रेम, सम्मान और आभार प्रकट करना चाहिए और उनकी सेवा करनी चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्या सीमा गुप्ता, स्टाफ- सदस्य एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

शिविर में 200 लोगों की सेहत जांची

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जेसीआई भिवानी स्टार ने रविवार को चौधरी बंसीलाल पार्क में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। शिविर में बड़ी संख्या में शहरवासियों ने सेहत की जांच करवाई और विशेषज्ञों से परामर्श लिया। जेसीआई के मीडिया प्रभारी जेसी कपिल शर्मा ने बताया कि कैंप में दो अलग-अलग प्रकार की जांच सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया। त्रिवेणी डेंटल क्लीनिक के डॉक्टर कपिल शर्मा व उनकी टीम ने दांतों और मसूड़ों से जुड़ी बीमारियों की जांच की और हेल्थ फेम डायग्नोस्टिक के सहयोग से लोगों के शुगर लेवल और ब्लड प्रेशर की मुफ्त जांच की। शिविर में लगभग 200 मरीजों की जांच की गई। कार्यक्रम के दौरान संरक्षक जेसी गोपाल अग्रवाल और अध्यक्ष जेएफएम संदीप अग्रवाल ने उपस्थित लोगों का उत्साहवर्धन किया। अध्यक्ष जेएफएम संदीप ने कहा कि जेसीआई भिवानी स्टार का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना बहुत जरूरी: शर्मा

कैडेट्स ने बढ़ाया स्कूल का मान

- ड्रिल में प्रथम रहकर जीते कई सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

राजकीय कन्या वमावि ढाणी फौगाट की एनसीसी कैडेट्स ने 10 दिवसीय एटीसी कैंप में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया। विद्यालय के 25 कैडेट्स ने एएनओ जागृति कुमारी के नेतृत्व में सेकेंड हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी रोहतक द्वारा आयोजित कैंप में भाग लिया। कैंप के दौरान ढाणी फोगाट विद्यालय की कैडेट्स ने अनुशासन, प्रतिभा और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ड्रिल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

चरखी दादरी। कैंप में शानदार प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स। *फोटो : हरिभूमि*

क्विज प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया

क्विज प्रतियोगिता में दूसरा तथा टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। छात्रा तमन्ना और हिमानी को उनके बेहतरीन नेतृत्व और कमांड क्षमता के लिए बेस्ट कमांडर चुना गया तथा गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। दस दिवसीय कैंप में कैडेट्स को फायरिंग, मैप रीडिंग, हेल्थ हाइजीन, एफसी व वीसी जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियों और प्रशिक्षण सत्रों में भाग लेने का अवसर मिला। इन गतिविधियों ने छात्राओं के आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को और मजबूत किया।

घर-घर जाकर जांची जाएगी सप्लाई में क्लोरिन

- पब्लिक हेल्थ विभाग ने टीमों को उतारा फिल्ड में, सप्लाई के पानी का ले रहे है सेम्पल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

पहली बार पब्लिक हेल्थ विभाग ने लोगों के घरों में जाने वाली पानी की सप्लाई में क्लोरिन की मात्रा के सेम्पल लेने का कार्य शुरू किया है। इस दौरान यह जांच की जा रही है कि पानी की सप्लाई के साथ लोगों घरों तक सही मात्रा में क्लोरिन आ रही है या नहीं। नहीं आ रही तो कहां पर अटकी है। इन बातों की जांच के लिए पब्लिक हेल्थ विभाग ने तीन टीमों का गठन किया है और रोजाना पानी की सप्लाई के वक्त कर्मचारी घर घर जाकर नलों में आ रही पानी की सप्लाई के सेम्पल ले रहे है। इस दौरान वे वहीं पर यह जांच कर रहे है कि पानी में क्लोरिन पहुंची या नहीं। नई व्यवस्था के तहत रोजाना प्रत्येक टीम 50 से लेकर सौ घरों तक पहुंचकर सेम्पल ले रही है।

भिवानी। घर-घर जाकर पानी के सेम्पल लेते कर्मचारी व सेम्पल की जांच करते हुए।

पानी के सेम्पल लिए जा रहे

ब्लिक हेल्थ विभाग के कार्यकारी अभियंता कपिल देव ने बताया कि हर घर तक क्लोरिन युक्त पानी पहुंचे। यह सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। जिस वक्त पानी की सप्लाई छोड़ी जाती है। उसी वक्त कर्मचारियों की टीम घर-घर पहुंच जाती है और वहां से नलों से निकलने वाले पानी के सेम्पल लिए जा रहे है। उसमें यह जांच की जा रही है कि उक्त पानी में कितनी क्लोरिन की मात्रा है। कम है तो कहां पर अटकी है। कम है तो उसकी जांच करके दुरुस्त करवाया जाएगा।

मिल रही थी शिकायतें

बताते है कि रोजाना शहर में दूषित पेयजल की सप्लाई पहुंचने की शिकायतें मिल रही है। अब इन शिकायतों का स्थाई समाधान भी किया जाएगा। इस अभियान के तहत क्लोरिन की मात्रा मापी जाएगी। अगर किसी घर तक क्लोरिन की मात्रा पानी में कम पहुंच रही है तो उसकी जांच की जाएगी। किस इलाके में क्लोरिन अटकी है या जो जलघरों में क्लोरिन के बड़े फिल्टर लगे है। उनमें तो कोई गडबड़ी नहीं है। इनके अलावा जलघरों में जहां पर पानी में क्लोरिन की मात्रा मिलाई जाती है वहां पर भी जांच की जाएगी। क्लोरिन की मात्रा डालकर पानी को बैक्टरियां मुक्त किया जाता है।

किला ग्रांड में पक्षियों के लिए लगाए सकोरे

- भीषण गर्मी और बढ़ते प्रदूषण के बीच 'खुशियों की दीवार' ने थामी बेजुबानों की डोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

बढ़ते तापमान और आसमान से बरसती आग के बीच बेजुबान पक्षियों पर आए संकट को देखते हुए सामाजिक संस्था 'खुशियों की दीवार' ने अपनी मानवीय पहल तेज कर दी है। संस्था ने पक्षी मेरे अतिथि मुहिम का आगाज किया है, मुहिम के अंतर्गत आज कोर्ट रोड स्थित किला ग्रांड परिसर में दर्जनों सकोरे लगाए गए और पक्षियों के लिए दाना-पानी का उचित प्रबंध किया गया।

इस सेवा कार्य में पुलिस विभाग के अधिकारियों, अधिवक्ताओं और प्रमुख समाज सेवियों ने सक्रिय भागीदारी निभाकर जीव-दया का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि एवं सामाजिक कार्यकर्ता संजय रामफल ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज जिस तरह से तापमान 45 डिग्री के पार जा रहा है और प्रदूषण के कारण वातावरण में ऑक्सीजन व नमी कम हो रही है, उसने न केवल इंसानों बल्कि नन्हे पक्षियों का जीवन भी दूभर कर दिया है। कंक्रीट के जंगलों में पक्षियों के लिए प्राकृतिक जल स्त्रोत समाप्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पक्षी मेरे अतिथि' केवल एक मुहिम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारा प्रायश्चित है।

चरखी दादरी। मुहिम के तहत परिंदों के लिए दाना पानी का प्रबंध करते नागरिक।

मिट्टी के पात्रों में पानी भरकर रखें

इस नेक कार्य में एचसी ईश्वर सिंह, सिपाही आनंद, शंकर, तहजीब अहमद और अधिवक्ता वत्स ने पक्षियों के लिए पानी का प्रबंध किया। खुशियों की दीवार' संस्था संचालक संजय रामफल ने शहरवासियों से आग्रह किया है कि वे अपने घरों, पार्कों और दुकानों के बाहर मिट्टी के पात्रों में पानी भरकर रखें।

किताबों मे दिखेंगी पक्षी

यदि हम आज नहीं जागे, तो आने वाली पीढ़ियां इन पक्षियों को केवल किताबों में देखेंगी। इस अवसर पर कोर्ट रोड के स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने भी इस मुहिम की सराहना की और अपने-अपने क्षेत्रों में इसे लागू करने का संकल्प लिया।

माताओं को किया सम्मानित

- लिटिल हार्टस में मातृ-दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

लिटल हार्टस कॉन्वेन्ट स्कूल में मदर्स-डे पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एमडी पवन गोयल व भावना गोयल ने बताया कि स्कूल की एलकेजी कक्षा के विद्यार्थियों की माताओं को आमंत्रित किया व विभिन्न प्रकार के गेम्स व स्टेज गतिविधियां करवाई, जिसमें सभी माताओं व बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय प्रशासन द्वारा नन्हे-मुन्हें विद्यार्थियों के हाथों से उनकी माताओं को टोकन ऑफ लव के रूप में फलावर-पोट्स वितरित कर सम्मानित किया व सभी बच्चों ने अपने-अपने हैंडस-इम्प्रैशन छापते हुए अपनी माताओं के लिए मातृ-दिवस से संबंधित ग्रिटिंग कार्डस बनाए व विद्यार्थियों ने मां के प्रति आदर व सम्मान से ओत-प्रोत नृत्य, गीत, कविताएं व नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्राचार्या वीना सेठ, कोर्डिनेटर पुनम मस्ताना, ममता, रिटा शर्मा, कविता, ज्योति, अन्नु, रीना सैनी, रिना, रेखा व अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

भिवानी। मातृ दिवस पर प्रस्तुति देते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

समय-समय पर करवाई जाती हैं प्रतियोगिताएं

विद्यालय के महासचिव संजय गोयल ने बताया कि विद्यालय में समय-समय पर ऐसी गतिविधियों में बच्चों द्वारा अधिक से अधिक रूप में भाग लेना बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है, जिससे विद्यार्थियों में अपने माता-पिता के प्रति आदर की भावना पैदा हो सके।

मां के नाम से लगाया पौधा

- मानवता एक धर्म फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

मदर्स डे के अवसर पर मानवता एक धर्म फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान का अनूठा संदेश देते हुए गांव दमकोरा में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संस्था के सचिव प्रीतम दमकोरा ने अपने पुत्र रियांश के साथ अपनी माताओं के नाम पौधे लगाकर मदर्स डे मनाया। इस अवसर पर रियांश ने अपनी मां शीलू दमकोरा के नाम तथा प्रीतम दमकोरा ने अपनी मां भानवती देवी के नाम पौधा लगाया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने माताओं के सम्मान और प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया। प्रीतम दमकोरा ने कहा कि मां केवल जन्म देने वाली नहीं, बल्कि जीवन की पहली गुरु होती है। मां का प्रेम, त्याग और संस्कार हमें जीवन में आगे बढने की प्रेरणा देते हैं। जिस प्रकार मां हमें जीवन देती है, उसी प्रकार पेड़-पौधे भी धरती को जीवन प्रदान करते हैं। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी मां के सम्मान में एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए।

लोहारू। दमकोरा गांव में मदर्स डे पर अपने परिवार के साथ पौधा रोपण करते हुए प्रीतम सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

पौधे लगाएं

फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि पौधारोपण से पर्यावरण सुरक्षित रहेगा और आने वाली पीढिय़ों को स्वच्छ वातावरण मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया।

खुले आसमान के नीचे पड़े गेहूं एवं सरसों को बारिश ने भिगोया, अब मंडी मं आने लगी बदबू

बेमौसम बारिश ने खोली मंडी व्यवस्थाओं की पोल, सड़ांध मारते अनाज की हो रही मिक्सिंग

- आढ़ती खेल रहे खराब गेहूं की मिक्सिंग का खेल, सरकारी खरीद में खराब अनाज को खपा रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

अनाजमंडी में अव्यवस्थाओं का अंबार लगा हैं, जिसके चलते हालत बद से बदतर हो रहे हैं। हाल ही में हुई बेमौसम बारिश ने मंडी में खुले आसमान के नीचे पड़े गेहूं एवं सरसों को पूरी तरह भिगो दिया, जिसके बाद अब मंडी में सड़ांध और बदबू का माहौल बन गया है। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि भीगा हुआ अनाज काला पड़ने लगा है और उससे तीखी दुर्गंध उठ रही है। सबसे चिंताजनक बात ये है कि खराब अनाज को नियमानुसार रिजेक्ट कर देना चाहिए, लेकिन कुछ आढ़ती इसे कथित तौर पर मिक्सिंग का खेल खेल रहे हैं। मंडी में जगह-जगह पड़े भीगे अनाज को पहले धूप में सूखाया जा रहा है और फिर साफ अनाज के साथ मिलाकर बोरियों में भरवाया जा रहा है। मजदूरों के जरिए दिन-रात ये काम जारी होने की चर्चा है, ताकि सरकारी खरीद में खराब अनाज को भी खपाया जा सके। मंडी में फैली बदबू से आसपास के दुकानदार और किसान भी परेशानी है। किसानों का कहना है कि समय रहते उचित भंडारण और तिरपाल की व्यवस्था की जाती तो हजारों क्विंटल अन्न खराब नहीं होता।

बाढ़ड़ा। अनाज मंडी में बरसात के कारण खराब हुआ गेहूं। *फोटो : हरिभूमि*

सूचना

मैं, प्रताप सिंह पुत्र पोकार मल निवासी वार्ड नंबर-13, लोहारू, तहसील लोहारू, जिला भिवानी बयान करता हूं कि मेरी पुत्री आईना मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

रामबाग के हॉल को नया स्वरूप देने की तैयारी शुरू

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के रामबाग परिसर में स्थित हॉल को नया और आकर्षक स्वरूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। समिति सदस्यों की ओर से हॉल में टाइल और पत्थर लगाने का कार्य प्रारंभ कराया गया है, जिससे भवन को आधुनिक और सुंदर लुक दिया जा सके। इसके साथ-साथ पूरे रामबाग परिसर में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। समिति सदस्यों में प्रधान नंदलाल महता, डॉ. बूटा राम धमीजा, प्रेम ओड, विकास महता, रमन टुटेजा आदि ने बताया कि लंबे समय से रामबाग में सौंदर्यीकरण और रखरखाव की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

बार-बार सिर का चक्कर आने पर नीम हकीमों के बजाय विशेषज्ञ चिकित्सकों से करवाएं उपचार: डॉ. कृष्ण कुमार

वार्टिगो बीमारी नहीं, बल्कि गंभीर संकेत एवं लक्षण: डॉ. कृष्ण

■ फास्ट फूड का ज्यादा सेवन वार्टिगो का ही एक कारण : डॉ. रंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

किसी को बार-बार सिर में चक्कर आम समस्या नहीं हैं, बल्कि वार्टिगो बीमारी के लक्षण हैं, इसलिए मरीज एवं उनके परिजनों को नीम हकीमों के झांसे में आने की बजाय विशेषज्ञ चिकित्सकों से उपचार करवाना चाहिए, क्योंकि वार्टिगो के अनेक लक्षण एवं कारण हो सकते हैं। वार्टिगो से ग्रस्त मरीज की सही मशीनरी से जांच पड़ताल होगी, तभी उसका उपचार संभव हैं, ये बात बावल से विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने कहे। वे रविवार को निजी रेस्तरां में एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरेंगोलॉजी इंडिया की राज्य शाखा द्वारा आयोजित वार्टिगो उपचार पर एक दिवसीय सेमीनार को संबोधित कर रहे थे। सेमीनार में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश व दिल्ली से अनेक विशेषज्ञ चिकित्सकों ने शामिल होकर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

भिवानी। वार्टिगो पर सेमीनार को संबोधित करते बावल से विधायक डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. जेसी पासी, डॉ. एसपीएस यादव, डॉ. उमा गर्ग, डॉ. रुपेंद्र रंगा व अन्य।

उल्लखेनीय हैं कि हांसी रोड स्थित निजी रेस्तरां में एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरेंगोलॉजी इंडिया की राज्य शाखा ने एक दिवसीय वार्टिगो उपचार पर सेमीनार का आयोजन किया, जिसका शुभारंभ बावल के विधायक डॉ. कृष्ण कुमार, वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज झज्जर के निदेशक डॉ. जेसी पासी, सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य, रोहतक पीजीआईएमएस के पूर्व ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. एसपीएस यादव, डॉ. मंदीप सचदेवा, डॉ. उमा गर्ग, डॉ. भूषण पाटील, अरविंद बिजलानी व भारत ईएनटी हॉस्पिटल के संचालक इएनटी विशेषज्ञ डॉ. रुपेंद्र रंगा ने द्वीप प्रज्वलित करके किया।

इसके बाद एओआई की जिला शाखा से डॉ. रूपेंद्र रंगा, डॉ. शुभम महता व डॉ. अन्नत बासोतिया ने अतिथियों का शॉल, स्मृति चिन्ह एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया। बावल के विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में आधुनिक मशीनें उपलब्ध करवा रही हैं, जिससे वार्टिगो जैसी बीमारी की गहनता से जांच की जा सके और मरीज को सही उपचार एवं मार्गदर्शन मिल सकें। डॉ. जेसी पासी ने कहा कि वार्टिगो बीमारी के अनेक लक्षण हो सकते हैं, ऐसे में मरीज को विचलित रहता है कि आखिर वह न्यूरोलोजिस्ट या ईएनटी विशेषज्ञ या फिर हड्डी रोग विशेषज्ञ से उपचार करवाएं, इसलिए ऐसे सेमिनारों से बहुत से चिकित्सक एकत्रित होकर शोध पत्र प्रस्तुत करते हैं। ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. रुपेंद्र रंगा ने बताया कि आज फास्ट फूड की तरह बच्चों व महिलाओं का ज्यादा रूझान हैं, जो आगे चलकर वार्टिगो जैसी गंभीर बीमारी का कारण बनते हैं, हमे फास्ट फूड से बचना चाहिए, क्योंकि ये वार्टिगो बीमारी के लिए मुख्य कारण मानी जाती हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर दिल्ली से डॉ. ईश्वर सिंह, दिल्ली से डॉ. रवि मेहर, चंडीगढ़ मेडिकल कॉलेज के एचओडी डॉ. सुरेंद्र सिंगल, डॉ. एडविन, डॉ. एलएल बुंदेला, डॉ. सरोज रंगा, डॉ. प्रवीन कुमार, डॉ. राज दिसोदिया, पंचकूला से डॉ. सुखदीप कौर, डॉ. गुरूचंद, डॉ. पुष्कर धीर, डॉ. भारत, डॉ. हिमांशी, डॉ. नेहा यादव, डॉ. रीटा सिसोदिया, डॉ. संदीप लाठर, चांदराम बराड़, सुरेंद्र संभ्रवाल, सुरेंद्र वर्मा आदि मौजूद रहे।

विधायक ने तोड़ी चुप्पी, विरोधियों पर जमकर बरसे

जिनके घर तोड़े गए प्रशासन ने उनको बनाते समय रोका था : कपूर सिंह

■ फ्लैट तो प्रदीप नरवाल, सतबीर रतेरा, सिंधू बनवाकर देंगें, मैं अच्छी रहने की व्यवस्था करवा सकता हूं: कपूर वाल्मीकि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। पत्रकारों से बातचीत करते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

बवानीखेड़ा में कई दिनों से सुलग रहे मकान तोड़ने के मामले में रविवार को विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने चुप्पी तोड़ी। पत्रकारवार्ता बुलाकर विपक्ष व विरोधियों पर जमकर बरसे। यहां तक भी कह दिया कि मैं तो इनके रहने की व्यवस्था कर सकता हूं,लेकिन विरोधी इनको फ्लैट बनवाकर दें।

विधायक यही नहीं रुके, उन्होंने विरोधियों से दो टूक कहा कि वे इस मामले पर राजनीतिक रोटियां न सेंके। इसी को लेकर विधायक कपूर वाल्मीकि ने पत्रकार वार्ता की और बताया कि जिनके घर नपा प्रशासन द्वारा नोटिस देने पश्चात गिराए हैं उनकों घर बनाते समय बनाने से रोका था उस समय इन्होंने कहा कि जब नपा आदेश देगी वे हटा देगें। लैंटर बनाने वाले के दो वर्ष पहले कहा कि ये सिटी पार्क की जगह है नपा द्वारा इनको नोटिस दिया कि वे हटा लें और ये आकर मुझसे मिले।

विधायक ने कहा कि मैंने उनको आश्वासन दिया कि कहीं और स्थान पर पक्का स्थान बनाया जाए। लेकिन इनका कहना था कि नोटिस से कुछ नहीं होता। इनके द्वारा नपा में जाकर प्रदर्शन किया व नपा पार्षद व चैयरमैन ने भी इनके समाधान का आश्वास दिया लेकिन इनके द्वारा उसे अस्वीकार कर दिया गया। सिटी पार्क के लिए बिजली की तारों के लिए साढ़े 27 लाख रूपए हाई वोल्टेज की तारों को हटवाने के नपा ने विभाग को अदा किए हैं। जल्द ही हाइ वोल्टेज की तारों व पोल को हटाया जाएगां विधायक ने बताया कि हर वर्ष यहां विशाल खेलों का आयोजन होता है। विधायक ने पार्किंग के विषय में कहा कि उनके पास खुद की पार्किंग की जगह हैं, वे हर समय इनकी मदद करने को तैयार हैं। लेकिन विपक्ष के कुछ लोगों ने इस काम की नोटंकी करते हुए तमाशा मचाया है। उन्होंने विपक्षी नेताओं को आडे हाथों लेते हुए एक कहा कि किसी ने एक किला, तो किसी ने रोड़ी क्रेशर तो किसी ने तोलिए, फ्रनींचर की बात कही है,उनकी मंशा है तो दे दें। सरकार ने 20 वर्षो तक रहने वालों को सरकार ने रजिस्टरी करवाकर दी है। सरकार लोगों की भलाई का कार्य कर रही है। चार घरों के तोड़ने की बात को 50 घरों को तोड़ने का प्रचार कर दिया। विधायक ने कहा कि मेरे भाई के घर के सामने अभद्र भाषा का प्रयोग किया जो विवाद करने की सोच से कर रहे हैं। कुछ लोग भड़काकर बड़ा विवाद करना चाहते हैं। कुछ लोग गरीबों के नाम पर विधायक के ख्वाब देखना चाहते हैं। विधायक ने कहा कि ऐसे लोगों का ईसा इलाज कर दयूंगा समझ नहीं आवेगी।

राजनीतिक रोटियां सेकना बंद करें

विधायक कपूर वाल्मीकि ने कहा कि जिन लोगों के नपा द्वारा मकान गिराए वे उनके हैं और मैं भी उनका हूं। वे स्वयं उनके लिए स्थाई समाधान करवाने का काम करेंगे। इसलिए जो लोग इनको भड़काने का काम कर रहे हैं वे राजनीतिक रोटियां सेकना बंद करें। वहीं पीड़तिों के पास कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में आपसी तू-तड़ाक देखने को मिली।

विपक्ष कर रहा गुमराह

विधायक ने कहा कि विपक्ष लोगों को गुमराह कर रहा है। 6 साल से सीवरेज की लाइन धंसी से 4.50 करोड़ का टेंडर लगाया है ताकि सीवरेज व्यवस्था दुरूस्त हो सके। लेकिन कुछ लोग विकास नहीं चाहते। विधायक ने कहा कि एक पति-पत्नी नोटंकी करके अपने आप लड़ रहे थे और ऐसी कोई बात आने पर पति कहता है कि उसकी दिमागी हालत ठीक नहीं है। ऐसे लोग अपना कार्य करें लोगों को बहकाएं मत और शहर में विकास कार्यों में बाधा न डालें। विधायक ने एक एडवोकेट के भाई के मकान बनाने पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। विपक्षी नेता के 11 मई को बड़ा प्रदर्शन की बात पर विधायक ने कहा कि अपनी हद में कार्य करें, ये जगह सिटी पार्क के लिए निर्धारित है और पार्क ही बनेगा। लोग राजनैतिक रोटियां सेकना बंद करें।

भिवानी। पीड़ितों को संबोधित करते पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी।

पूर्व सीपीएस फौजी पीड़ितों से मिलने पहुंचे

भिवानी। रविवार को पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी बवानीखेडा में पीड़ितों के धरने पर पहुंचे। फौजी ने पीड़ितों से सारे मामले की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नगरपालिका बवानीखेड़ा को इन पीड़ितों के मकान तोड़ने से पहले उनके रिहायश की व्यवस्था करनी चाहिए थी। लेकिन नपा प्रशासन ने उनके मकान तोड़कर उनको खुले आसमान के नीचे जीवन यापन करने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बवानीखेड़ा में इन पीड़ितों को आशियान नहीं दिया गया तो आंदोलन का ऐलान करने पर मजबूर होंगे। वे आज बवानीखेड़ा में पीड़ितों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि इतने दिन बीतने के बाद भी पीड़ितों को न्याय नहीं दिया गया है,जबकि विधायक व नपा चेयरमैन दोनों ही इसी कस्बे में निवास कर रहे है। अब तक धरनास्थल पर पहुंचकर किसी ने भी उनके दुख तकलीफ की नहीं पूछी। जिससे साबित हो गया कि भाजपा सरकार की कथनी व करनी में दिन व रात का फर्क है।

गरीबों के उजड़े आशियानों पर बढ़ा जनाक्रोश

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा में गरीब मजदूर, किसान और पशुपालक परिवारों के टूटे आशियानों को लेकर लोगों का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। खुले आसमान के नीचे दिन-रात बिताने को मजबूर परिवारों की हालत देखकर अब सामाजिक, राजनीतिक और युवा संगठनों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा तेज कर दिया है। लोगों का कहना है कि प्रशासन ने गरीब परिवारों के सिर से छत तो छीन ली, लेकिन अब तक उनके पुनर्वास, बिजली, पानी और भोजन जैसी मूलभूत सुविधाओं की कोई व्यवस्था नहीं की। धरना स्थल पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कॉमरेड वैद ने की। बैठक में मौजूद सभी लोगों ने एकमत होकर कहा कि प्रशासन के पास अब केवल कल तक का समय है। यदि कल तक पीड़ित परिवारों के लिए पुनर्वास और रहने की व्यवस्था को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया, तो उसके बाद पूरे बवानीखेड़ा हल्के की 36 बिरादरी को एकत्रित कर विशाल महापंचायत बुलाई जाएगी, जिसमें बड़े जनआंदोलन की घोषणा की जाएगी। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि गरीब परिवारों के टूटे आशियानों का दर्द अब पूरे समाज का दर्द बन चुका है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि नगरपालिका प्रशासन गरीबों पर तो बुलडोजर चलाने में तेजी दिखाता है, लेकिन बड़े रसूखदारों और अवैध कब्जों के खिलाफ कभी कार्रवाई नहीं करता। बैठक में यह भी चेतावनी दी गई कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो तहसील और नगरपालिका कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

संयुक्त किसान मोर्चा का धरना, फसल खराबे का मुआवजा मांगा

बाढ़ड़ा। किसानों से बीमा कंपनी ने फसल बीमें का प्रीमीयम लिया है तो फसल खराबे का मुआवजा किसानों का हक है, लेकिन सरकार किसानों को मुआवजा ना दिलाकर उधोगपतियों के हकों के लिए काम कर रही है, ये बात किसान नेता नसीब मोद, रणधीर कूंगड़, श्योराण खाप पच्चीस अध्यक्ष बिजेंद्र बेरला, रघुबीर सिंह, राजकुमार हड़ौदी व भूपसिंह दलाल ने कही।

■ खंड कार्यालय प्रांगण में 293 दिन से धरने पर बैठे हैं किसान

वे खंड कार्यालय प्रांगण में 293वें दिन धरने को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कि सरकार की चुप्पी किसानों के सब्र की परीक्षा ले रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ धोखा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जरूरत पड़ी तो संघर्ष को व्यापक रूप दिया जाएगा।

किसानों के मंडी में फसल बेचने पर लागू की गई बायोमैट्रिक व अन्य शर्तों को शीघ्र वापिस लेना चाहिए, अब संघर्षों का नया दौर शुरू हो चुका है। किसान-मजदूर विरोधी नीतियों और कॉरपोरेट-परस्त फैसलों के खिलाफ अब निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी और किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी लागू हो। चार नए लेबर कोड, विद्युत संशोधन विधेयक और बीज विधेयक वापस लिए जाएं।

चरखी दादरी। कार्यक्रम में ब्रमकुमारीज बहन व अन्य महिलाएं । फोटो : हरिभूमि

मां बच्चों के चरित्र और संस्कारों का करती है निर्माण: वसुधा बहन

हरिभूमि ▶▶ चरखी दादरी

कलियाणा गांव के सोनी धर्मशाला में मातृ दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

मातृ शक्ति ही विश्वपरिवर्तन की आधारशिला प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाखा ज्ञान ज्योति भवन के तत्वावधान में कलियाणा गांव के सोनी धर्मशाला में मातृ दिवस पर्व अत्यंत स्नेह, सम्मान और उल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर क्षेत्र की अनेक माताओं ने शिरकत की, जहां उन्हें आध्यात्मिक शक्ति और समाज में उनके महत्व से अवगत कराया गया। ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने अपने संबोधन में कहा कि मां केवल जन्म देने वाली नहीं, बल्कि बच्चों के चरित्र और संस्कारों का निर्माण करने वाली पहली गुरु है।

उन्होंने कहा एक मां चाहे तो अपने बच्चों को देवतुल्य संस्कार देकर समाज की तस्वीर बदल सकती है। आज के समय में जब नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है, तब माताओं को स्वयं राजयोग के जरिए आंतरिक शक्ति जमा करनी होगी ताकि वे परिवार को सुरक्षित और संस्कारवान बना सकें। झोझू कलां सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने कार्यक्रम में उपस्थित माताओं का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति का असली स्वरूप त्याग, क्षमा और ममता है। ज्योति बहन ने कहा कि जिस घर में माताएं ईश्वरीय ज्ञान से जुड़ी होती हैं, वह घर स्वर्ग समान बन जाता है। उन्होंने कहा कि माताएं बच्चों को संस्कारवान बनाकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान अदा कर सकती हैं।

मार्केट न्यूज

अग्रवाल परिवार पानी के टेंकर भेज लोगों को दे रहा है राहत: नरेश मीनू अग्रवाल

भिवानी । पूर्व मंत्री स्व. रामभजन अग्रवाल चाहते थे कि भिवानी शहर की जनता किसी भी प्रकार से परेशान न रहे। इसके लिए वे गर्मी के मौसम में पानी के टैंकरों की व्यवस्था करते थे और उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन करते थे। आज अग्रवाल परिवार उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलते हुए शहर की जनता की सेवा करने में जुटा हुआ है। यह बात उनके पौत्र नरेश मीनू अग्रवाल ने पानी के टैंकर को रवाना करते हुए बताया कि कही। उन्होंने कहा कि हर वर्ष भीषण गर्मी में जहां पीने के पानी की कमी होती है वहीं पर वे टैंकरों की व्यवस्था करते हैं। उन्होंने बताया कि इसके साथ-साथ अग्रवाल परिवार द्वारा शहर में अनेकों स्थानों पर पीने के पानी के लिए वाटर कुलर लगाए हुए हैं। इस अवसर पर अग्रवाल परिवार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

गांव हरियावास में दहेज के खिलाफ निकाली जागरूकता रैली

बहल। हरियावास स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध विशेष जागरूकता कार्यक्रम किया। कार्यक्रम डीसी साहिल गुप्ता, एडीसी दीपक बाबूलाल करवा, जिला कार्यक्रम अधिकारी वैशाली डब्ल्यू सीडीपीओ ऊषा रानी, सुपरवाईजर वंदना के मार्गदर्शन से किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को दहेज निषेध अधिनियम 1961 के प्रावधानों से अवगत कराना और इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करना रहा। उर्मिला हरियावास ने कार्यक्रम में महिलाओं को बताया कि दहेज प्रथा के कारण समाज में भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा जैसी अन्य समस्याएं भी जन्म लेती हैं, ऐसी सामाजिक कुरीतियों को हमें जड़ से मिटाना जरूरी है। इस दौरान उपस्थित महिलाओं ने दहेज प्रथा जैसी कुरीति को समाप्त करने की शपथ ली। उर्मिला ने कहा कि दहेज प्रथा एक सामाजिक अभिशाप है और इसे खत्म करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। दहेज लेना व देना दोनों ही कानूनी अपराध है इसके लिए कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है।

वीएलडीए ने सरकार एवं विभाग के खिलाफ खोला मोर्चा

एसओपी लागू नहीं होने तक पशु टीकाकरण अभियान का बहिष्कार करेगी एसोसिएशन

■ वरिष्ठ वीएलडीए जितेन्द्र घनघस ने की अध्यक्षता में हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

रविवार को मुर्रा बुल फार्म में वेटनरी सर्विस एसोसिएशन की भिवानी जिला इकाई की महत्वपूर्ण सभा हुई। सभा में जिले के सभी वीएलडीए ने एक स्वर में हुंकार भरते हुए सरकार और विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि जब तक भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को पूरी तरह लागू नहीं किया जाता तब तक जिले में टीकाकरण अभियान शुरू नहीं किया जाएगा। सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ वीएलडीए जितेन्द्र घनघस ने की। बैठक में जिलेभर से आए पशु चिकित्सक सहायकों ने वैक्सीनेशन कैंपेन के दौरान आने वाली व्यावहारिक और तकनीकी समस्याओं को सांझा किया।

वेटनरी सर्विस एसोसिएशन के जिला प्रधान परमानंद ने भारत सरकार द्वारा जारी एसओपी एवं जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हम पशुधन की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध हैं, लेकिन विभाग वैक्सीनेशन कैंपेन को बिना आवश्यक संसाधनों और उचित एसओपी के लागू करना चाहता है। एफएमडी (खुरपका-मुंहपका) प्लस एचएस वैक्सीनेशन के लिए जो नियम निर्धारित हैं, उन्हें ताक पर रखकर वीएलडीए पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक विभाग एफएमडी प्लस एचएस वैक्सीनेशन की एसओपी को पूरी तरह से लागू नहीं करता, तब तक जिले का कोई भी वीएलडीए टीकाकरण कार्य शुरू नहीं करेगा। भिवानी इकाई ने स्पष्ट किया कि वे इस मुद्दे पर राज्य कार्यकारिणी के हर निर्णय के साथ खड़ी है और विरोध प्रदर्शन में कंधे से कंधा मिलाकर चलेगी।

कर्मचारियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों

वीएलडीए ने मांग की कि टीकाकरण के दौरान पशुओं की सुरक्षा और कर्मचारियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। कर्मचारियों का तर्क है कि भारत सरकार द्वारा निर्मित नई एसओपी में कई ऐसे बिंदु हैं जो फील्ड में काम करने वाले वीएलडीए की सुरक्षा और कार्यक्षमता से जुड़े हैं। इस अवसर पर सचिव जयबीर खींची, वीरेंद्र बाजिया, सुनील शर्मा, तोशाम सबडिवीजन से धर्मपाल, अशोक तथा लोहारू से लक्की आदि मौजूद रहे।